सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
RNI No: UPHIN/2023/86769
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews
मूल्य: ₹ 02
सांध्यकालीन समाचार पत्र
स्वराज इंडिया
कानपुर, शनिवार , 10 मई, 2024
वर्ष: 02, अंक: 134, पृष्ठ: 8+4

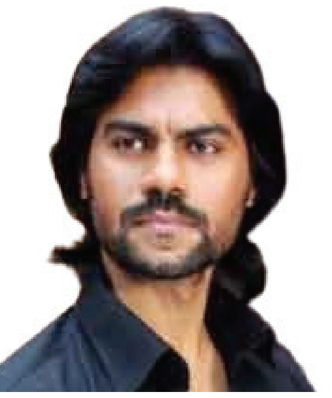

सोनी सब के शो पुष्पा इम्पॉसिबल में हुई गौरव चोपड़ा की एंट्री » Pg06

इनसाइड आईजीआरएस रैंकिंग में औंधे मुंह गिरा कानपुर जिला » Pg03

बड़े युद्ध की तैयारी में जुटा पाकिस्तान...!

» और बढ़ेगा भारत-पाक के बीच तनाव! दुश्मन की कई बातें जो इस ओर इशारा कर रही हैं,

» भारत किसी भी तरह के युद्ध की ओर आगे नहीं बढ़ना चाहता है, लेकिन पाकिस्तान की हर दिन बढ़ती हमलों की सीमाएं भारत को और मजबूत जवाबी कार्रवाई करने पर जोर दे रही हैं.

» पाकिस्तान की ओर से एक बार फिर 26 जगहों पर हवाई मार्गों से घुसपैठ की कोशिश की गई.

» नई दिल्ली/स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव का दायरा बढ़ता जा रहा है. भारत अपनी ओर से किसी तरह की कार्रवाई को शुरू नहीं कर रहा है बल्कि पाकिस्तान से किए जा रहे हमलों का जवाब दे रहा है. लेकिन हैरान करने वाली बात ये है कि पाकिस्तान मुंहतोड़ जवाब पाने के बावजूद भी हमेशा की तरह बेशर्मी की हदों को पार कर रहा है. पाकिस्तान भारत के सैन्य ठिकानों पर हमले के लिए लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल कर रहा है. पंजाब में तेज रफ्तार मिसाइल से उसने हमले किए.

विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि पाकिस्तान के उग्रवादी हमले की कोशिश लगातार जारी है. उन्होंने बताया कि ओडीआई शाखा तीन दिन से निरीक्षण कर रही है कि उसकी ओर से की जा रही कार्रवाई उकसावे की कार्रवाई या है या नहीं. निरीक्षण में साफतौर पर सामने है कि पाकिस्तान अपने नाकाम हरकतों की स्थिति को बढ़ा रहा है।

.विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि पाकिस्तान के उग्रवादी हमले की कोशिश लगातार जारी है. उन्होंने बताया कि ओडीआई शाखा तीन दिन से निरीक्षण कर रही है कि उसकी ओर से की जा रही कार्रवाई उकसावे की कार्रवाई या है या नहीं. निरीक्षण में साफतौर पर सामने है कि पाकिस्तान अपने नाकाम हरकतों की स्थिति को बढ़ा रहा है.

एयर स्टेशन को दागने की कोशिश की गई

विदेश सचिव ने बताया कि पाकिस्तान ने हवाई हमलों से उधमपुर, पठानकोट, भुजएयर बेस को नुकसान पहुचाया. पंजाब के एयर स्टेन को दागने की भी कोशिश की. भारतीय सेना ने पहली बार लड़ाकू जेट और लैंग रेंज मिसाइल के बारे में जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि पाकिस्तान ने सिविलियन को प्रशिक्षण दिया. विदेश सचिव ने बताया कि अब से थोड़ी देर पहले पठानकोट एयरबेस पर फिर से धमाकों की आवाज उठाई गई लेकिन एयर डिफेंस ने उनका हमला फेल कर दिया. प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि पाकिस्तान ने अंतर्राष्ट्रीय विमान की प्रतिष्ठा का उल्लंघन किया.

पाकिस्तान अग्रिम क्षेत्र में सैनिकों की कर रहा तैनाती

पाकिस्तान सीमा पर सेना की बड़ी मिसाइलें कर रही हैं. कई ऊंची मिसाइलों का इस्तेमाल कर रहा है. उसके टारगेट लोकेशन ज्यादातर पंजाब में हैं. पाकिस्तान ने नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया. पाकिस्तान ने मिस्ड सूचना अभियान भी शुरू किया है. ब्रह्मोस मिसाइल पर झूठी बातें फैला रहा है. पाकिस्तान का दावा है सिरसा एयरबेस को नष्ट किया गया है. ये पूरी तरह से फर्जी साथ ही ₹400 पर दावे फर्जी हैं. विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा कि पाकिस्तानी सेना अपने सैनिकों को आगे के क्षेत्रों में ले जा रही है. पाकिस्तानी भारतीय नागरिकों पर गलत बयानबाजी करते हैं. लोग भारत सरकार की आलोचना कर रहे हैं.

जम्मू-कश्मीर के नौशेरा इलाके के एक गांव में तुर्की का कामिकेज़ ड्रोन बरामद हुआ। पाकिस्तान सेना नागरिक को इलाकों को निशाना बना रही है।

» लौट रही प्रवासी मजदूरों की भारी भीड़

जम्मू-कश्मीर में मौजूदा हालात के चलते जम्मू रेलवे स्टेशन पर प्रवासी मजदूरों की भारी भीड़ है। ये अपने-अपने राज्यों में लौट रहे हैं। जम्मू रीजन के कई रिहाइशी इलाकों में गोलाबारी के बाद यह सिलसिला तेज हुआ है.

दीपू चौहान फूड कोर्ट के अवैध निर्माण पर पुलिस की चिटठी जारी

भौंति हाइवे स्थित दीपू चौहान फूड कोर्ट पर कसेगा शिकंजा

» जिला पंचायत से मैप स्वीकृति की खानापूरी कर हो रहा अवैध निर्माण

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण द्वारा लिखित और मौखिक रोक के बावजूद दनादन तन रहे दीपू चौहान फूड कोर्ट पर केडीए वीसी मदन सिंह गर्ब्यालय ने सख्ती की है। निर्माण रोकने के लिए पुलिस चिटठी जारी की गई है। इसके बाद सीलिंग या ध्वस्तीकरण की प्रिक्रिया शुरू की जाएगी।शहरी सीमा के अंतर्गत भौंति हाइवे के किनारे दीपू चौहान फूड का निर्माण पिछले कई सालों से चल रहा है। फूड कोर्ट के परिसर के उपर से हाईटेंशन के तार गुजरे हैं। तत्कालीन वीसी अरविंद सिंह ने फूड कोर्ट के निर्माण पर कार्रवाई शुरू की थी तो काम बंद कर दिया गया था। बाद में निर्माणकर्ता जिला पंचायत का नक्शा बताकर कोर्ट चला गया था लेकिन इसके बाद भी निर्माण कार्य चोरी छिपे चलता रहा।

वहीं, कोर्ट ने करीब 4 माह मामले प्रत्यावेदन की सुनवाई के लिए केडीए अफसरों को निर्देशित किया था। केडीए सचिव अभय पांडेय ने प्रत्यावेदन खारिज करते हुए कहा कि शहरी सीमा के अंतर्गत जिला पंचायत के नक्शे मान्य नहीं है। निर्माण अवैध है ।उसकी कंपाउडिंग कराकर आगे का निर्माण किया जाए लेकिन इसके बाद भी निर्माणकर्ता ने अपने रसूक और धनबल की धौंस दिखाते हुए कार्य नहीं रोका। इसकी शिकायत वीसी तक पहुंची तो उन्होने केडीए प्रवर्तन अधिकारियों से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। प्रवर्तन जोन-2 के प्रभारी डा0 रवि प्रताप सिंह ने बताया कि स्थानीय पुलिस को पत्र जारी कर निर्माण रोके लिए निर्देशित किया गया है यदि इसके बाद भी अवैध निर्माण नहीं रोका गया तो सीलिंग या ध्वस्तीकरण नोटिस की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर सिटी कानपुर,सोमवार 31 मार्च, 2025 03

दीपू चौहान फूड कोर्ट के अवैध निर्माण पर लाचार केडीए !

» केडीए के नियम कायदे ताकपर रखकर भौंती हाइवे किनारे बनाया जा रहा फूड कोर्ट

» प्राधिकरण को धोखा देने के लिए पास करवाया था जिला पंचायत से नक्शा

» खुलेआम निर्माण जारी लेकिन कार्रवाई के नाम पर नूराकुश्ती

मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर।ईमानदार और सरल वीसी मदन सिंह गर्ब्यालय के राज में केडीए में धांधली नहीं थम रही है। उनकी सख्ती के बाद भी प्रवर्तन और अनुभागों विभाग की मिलीभगत से होटल, गेस्ट हाउस और अन्य कामर्शिलय प्रतिष्ठान दनादन ताने जा रहे हैं। इसके एवज में मोटी रकम की डील करके जेबें भरी जा रही हैं। इससे केडीए राजस्व को चपत लग रही है। जोन-2 में भौंती हाइवे स्थित दीपू चौहान फूड कोर्ट पिछले कई माह से निर्माणाधीन है लेकिन कार्रवाई के नाम पर नूराकुश्ती चल रही है लेकिन केडीए अफसरों ने फिर से एक्शन लिए जाने की बात कही है।

आपको बता दें कि पनकी के पास भौंति हाइवे के किनारे दीपू चौहान फूड कोर्ट का निर्माण किया जा रहा है। यहां पर 33 हजार वोल्टेज हाईटेंशन लाइन बगल से गुजरी है। निर्माणकर्ता ने केडीए को धोखा देने के लिए शहरी क्षेत्र में जिला पंचायत से नक्शा पास करवा लिया था लेकिन केडीए में शिकायत पहुंची तो कार्रवाई शुरू हुई। तत्कालीन वीसी अरविंद सिंह के कार्यकाल में नोटिस जारी की गई और अग्रिम कार्रवाई तेज हुई तो उसने निचले तल में फूड कोर्ट शुरू करके अन्य निर्माण बंद करा दिया। वहीं, मामले को लटकाने के मकसद से स्थानीय कोर्ट में तथ्यों को छिपाकर वाद प्रस्तुत किया गया। अरविंद सिंह के तबादला होने के बाद मामला ठंडा ...

फाइल बाहर आ गई। इसपर 4 माह से अध्ययन चल रहा है। इधर, कोर्ट की आड की लेकर लगातार खुलेआम निर्माण कार्य किया जा रहा है लेकिन प्रवर्तन की टीम लाचार नजर आ रही है। वहीं, इस मामले में सचिव अभय पांडेय ने बताया कि कोर्ट में मामला लंबित होने के कारण कार्रवाई में देरी हुई लेकिन प्रकरण निपटा दिया गया है, कार्रवाई के लिए फाइल प्रवर्तन अनुभाग को भेज दी गई है। वहीं, इस मामले में जोन- ...

वर्तमान समय में उपाध्यक्ष ने शमन प्रक्रिया को सख्त करने को कहा है तो प्रवर्तन दस्ता शमन में जुट गया है। अनाधिकृत निर्माण करने वालों से शमन के नाम पर एडवांस चेक और पैसे जमा कराए जा रहे हैं लेकिन सबसे बडा सवाल यह है कि कार्रवाई के नाम पर दिखावा क्यों किया जा रहा है। शहर में कई ऐसे निर्माण हैं जिनमें केडीए के नियम कायदों की धज्जियां उड़ाई जा रही है लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ कागजी ...

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर सिटी कानपुर, शुक्रवार 11 अप्रैल, 2025 04

केडीए अफसरों की सरपरस्ती से दीपू चौहान फूड कोर्ट का अवैध निर्माण जारी

» जिला पंचायत के नक्शे से हो रहे निर्माण में केडीए नहीं कर पा रहा है कार्रवाई

» अफसर कर रहे बहानेबाजी, तेजी से अवैध निर्माण का कार्य हो रहा पूरा

» अवैध निर्माण के बदले लाखों रूपए की डील की आशंका

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। अवैध और अनाधिकृत निर्माणों को लेकर उप्र की योगी सरकार सख्ती बरत रही है लेकिन अधिकारियों की मिलीभगत से सरकार की मंशा पर पानी फिर रहा है। कानपुर शहर में मानकों को ताकपर रखकर दनादन अवैध निर्माण कराए जा रहे हैं।

इससे शहर की यातायात व्यवस्था के साथ साथ भविष्य में अन्य हादसों को लेकर ... आशंका है।

केडीए वीसी मदन सिंह गर्ब्यालय ने बीते दिनों अवैध और अनाधिकृत निर्माणों पर सख्ती करके शमन शुल्क वसूली के निर्देश दिए लेकिन उनका असर प्रवर्तन में नहीं दिख रहा है।

कागजी कार्रवाई का खेल चल रहा है। जोन-2 में भौंती हाइवे के पास पिछले छह माह से बिना नक्शे के नियम कायदे ताकपर रखकर दीपू चौहान फूड का निर्माण किया जा रहा है।

परिसर से ही हाईटेंशन लाइन गुजरी हुई है। वहीं जब कार्रवाई के बावत जिम्मेदार अधिकारियों से पूछा जाता है तो फाइल की ...

दीपू चौहान के फूड कोर्ट के अंदर नया अवैध निर्माण भी जोरों से चल रहा है

शहर में अवैध निर्माण पर नियंत्रण नही

शहरों में जाम और अतिक्रमण के पीछे सबसे बडा कारण अवैध निर्माण हैं। बिना पार्किंग और अन्य सुविधाओं के आवासीय एवं गालियों में शोरूम धडाधड बनाए जा रहे हैं और कई नक्शों में पार्किंग दी गई वहां पर भी दुकानें खोल दी गई हैं। कई जगह खोलने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए केडीए और नगर निगम के अधिकारियों की जिम्मेवारी है लेकिन कोई झंझट नहीं लेना चाहते हैं। अपनी जेब भरे बाकी कोई मतलब नहीं है।

नोटिस लगाने गए केडीए के चपरासी को किया था वापस

केडीए से इनपुट मिला है कि बीते माह निर्माण कार्य रोकने की नोटिस रिसीव कराने के लिए केडीए का एक चपरासी गया था लेकिन उसको धमकाकर वहां से वापस कर दिया गया था। बाद में केडीए ने डाक माध्यम से पत्र भेजकर कार्रवाई पूरी की। वहीं, सूत्रों ने बताया कि निर्माणकर्ता ने शमन के लिए केडीए में प्रार्थनापत्र दिया था लेकिन बाद में किसी कारण से तत्काल वापस ले लिया गया। बताया जा रहा है कि अगर शमन की कार्रवाई शुरू की गई तो भू-स्वामित्व की एनओसी मिल पाना मुश्किल है ऐसे में जमीन का खेल भी खुल जाता, इसलिए भी शमनपत्र वापस लेने की बात कही जा रही है। हालांकि, इसकी पुष्टि 'स्वराज इंडिया' नहीं करता है।

जमीन स्वामित्व का भी हुआ खेल

जिस जगह पर दीपू चौहान फूड कोर्ट बनाया जा रहा है वह जमीन एक सरदार जी की बताई जा रही है। वहां पर पहले पुराने टायर भंडारण किए जाते थे, सूत्रों का दावा है कि जितनी जमीन खरीद दिखाई गई है। उससे ज्यादा जमीन पर कब्जा कर निर्माण कर लिया गया है। यहां पर बडे पैमाने पर जमीन स्वामित्व को लेकर खेल किए जाने की आशंका जताई जा रही है।

मैनावती मार्ग के पास अनाधिकृत निर्माण सील

कानपुर। केडीए वीसी मदन सिंह गर्ब्याल के निर्देश के क्रम में विशेष कार्याधिकारी (प्रवर्तन जोन-1) सत् शुक्ला द्वारा परिसर सं0-917 बैरी अकबरपुर (मन्टोरा स्कूल से 100.0 मीटर दूर से पहले विपरीत दिशा) कानपुर नगर पर विनोद कुमार दीक्षित द्वारा लगभग 120 वर्ग मी0 के क्षेत्रफल में कालम की कास्टिंग हो रही थी, जिसको दिनांक 09.05.2025 को सील कर दिया गया है। कार्यवाही के दौरान अवर अभियन्ता कैलाश सिंह, पूर्व सैनिक बल, सुपरवाईजर, प्रवर्तन दल मौजूद रहा।

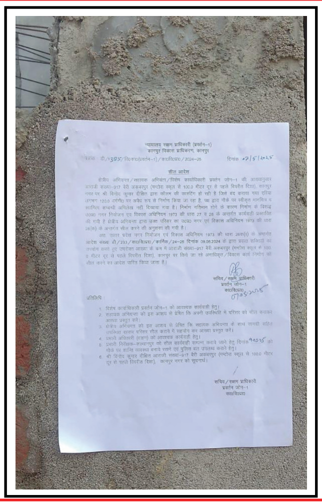

बारिश से पहले नाला सफाई कराना प्राथमिकताः नगर आयुक्त

कानपुर शहर में करोड़ों रुपए खर्च कर हो रही नाला सफाई

नाला सफाई की जानकारी करते नगर आयुक्त सुधीर कुमार

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर महानगर में करीब 10 करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर नाला और नालियों की सफाई का अभियान चलाया जा रहा है। आगामी वर्षा ऋतु के दौरान जल भराव व जाम इत्यादि की समस्याओं के दृष्टिगत नाला, नालियों की नियमित सफाई पर शासन द्वारा सतत निगरानी वह गहन समीक्षा के निर्देश निरंतर रूप से प्रदान किया जा रहे हैं। जिसके अंतर्गत नगर आयुक्त सुधीर कुमार द्वारा नगर निगम सीमान्तर्गत विभिन्न नालों का निरीक्षण किया गया व मौके पर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये।

सीसामऊ बकरमण्डी स्थित स्लाटर हाउस के करीब नाले का निरीक्षण करते हुए सी0एन0डी0 वेस्ट तत्काल हटाने के साथ और भी संसाधनों को बढ़ाते हुए 15 दिन के अन्दर पूर्ण रूप से साफ करवाने व सिल्ट उठवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

भगवत दासघाट स्थित नाले की सफाई के निरीक्षण में सन्तोष प्रकट करते हुए आस–पास के सभी मुख्य नालो की सफाई करवाने के साथ जाली लगाना व सिल्ट और सी0एन0डी0 वेस्ट को प्लांट पहुचाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। किदवई नगर, के0 ब्लॉक स्थित नाले की सफाई में भी सन्तोष प्रकट करते हुए सिल्ट हटवाने के निर्देश दिए गए।

अंततः नगर आयुक्त द्वारा मुख्य अभियंता एवं नगर दिए गए कि नगर निगम स्तर पर गठित नाला सफाई समिति के अंतर्गत समस्त वरिष्ठ अधिकारी अपने–अपने जोन क्षेत्र में नाला, नाली इत्यादि की सफाई का विधिवत निरीक्षण कर निर्धारित प्रारूप पर दैनिक रिपोर्ट प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही निर्देशित किया गया कि यह कार्य शासन की विशिष्ट प्राथमिकताओं से आच्छादित है इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता व लापरवाही ना बरती जाए

नालों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी

शहर की जनमानस को जल भराव व जाम इत्यादि की समस्याओं से निजात दिलाए जाने के लिए चलाए जा रहे संयुक्त अतिक्रमण अभियान के अन्तर्गत शुक्रवार को कानपुर नगर निगम द्वारा कई जगहों पर कार्यवाही की गई ।

नगर निगम की रिपोर्ट के मुताबिक जोन-2:- के क्षेत्रान्तर्गत श्याम नगर गुप्ता होटल से फेस-1, रामपुरम् गेट-1 तक अतिक्रमण व नाले की सफाई का अभियान चलाया गया। नाला सफाई एवं अतिक्रमण अभियान के दौरान 07 टीन सेड, 05 जालियॉ एवं एंगल हटाया गया। अभियान अभियन्त्रण विभाग एवं प्रवर्तन दल की मौजूदगी में चलाया गया।

जोन-3 के सीमान्तर्गत वार्ड-18 में स्थित जे;0-2 पार्क के आस-पास नालों के ऊपर किये गये अतिक्रमण को अभियान चला कर अस्थायी 30 स्थायी 04 कुल 34 टिन शेड, टट्र, रैम्प, चबुतरे इत्यादि अक्रिमण हटाये गये। अतिक्रमण अभियान के दौरान सी0पी0 सिंह जोनल अधिकारी, राजेश कुमार जोनल अभियन्ता जोन-3 आशीष बाजपेई, जोनल स्वच्छता अधिकारी जोन-3, राजेन्द्र प्रसाद कर अधीक्षक योगराज सिंह सहायक अभियन्ता जोन-3, सिद्वार्थ सिंह अवर अभियन्ता जोन-3 एवं सचिन वर्मा राजस्व निरीक्षक, ब्रजेश कुमार एस0एफ0आई0 के साथ पर्याप्त पुलिस बल उपस्थित रहा। साथ ही कानपुर नगर निगम सीमान्तर्गत कानपुर शहर के समस्त जोनों में अवैध एवं अनाधिकृत रूप से प्रतिस्थापित विज्ञापन-पटों को हटाये जाने का कार्य निरन्तर एवं सुचारू रूप से किया जा रहा है। इस दौरान 450 क्यास्क, 65 बिल बोर्ड व 35 रोड क्रास बैनर एवं केशव नगर स्थित 02 होर्डिंग के पर्दे कुल-552 अवैध विज्ञापन-पटों को भी हटाया गया।

अपार आईडी से होगी आरटीई की शुल्क प्रतिपूर्ति

बेसिक शिक्षा विभाग में अपार आईडी बनाने की बढ़ेगी रफ्तार, लापरवाही पर लगेगी लगाम

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्रवेश को लेकर चल रही सख्ती के बीच बेसिक शिक्षा विभाग अब निजी स्कूलों पर और कड़ाई करने जा रहा है। इससे निजी स्कूलों द्वारा ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (अपार) आईडी बनाने में की जा रही हीलाहवाली पर भी रोक लगेगी। इसके तहत विभाग अब अपार आईडी से आरटीई की शुल्क प्रतिपूर्ति करेगा। पूरे प्रदेश में अपार आईडी बनाने के लिए अभियान चल रहा है। सरकारी स्कूलों में तो 90 फीसदी से ज्यादा छात्रों की अपार आईडी बन गई है लेकिन निजी स्कूलों में यह आंकड़ा 50 से 60 फीसदी भी नहीं पहुंचा है। इसके लिए विभाग ने कई बार निर्देश दिए और कैंप भी लगवाए लेकिन इसमें अपेक्षित सुधार नहीं हुआ।

इसे देखते हुए अब सख्ती शुरू की गई है। विभाग नए सत्र 2025-26 में यू-डायस पोर्टल आईडी, आरटीई आईडी व अपार आईडी को आपस में जोड़ रहा है। निजी स्कूल जिन बच्चों का आरटीई के तहत प्रवेश लेंगे उनकी अपार आईडी होने पर ही शुल्क प्रतिपूर्ति हो सकेगी। नए सत्र के लिए चार चरणों में आवेदन लेकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी की गई है। इसमें 3.34 लाख आवेदन आए और 1.85 लाख से अधिक बच्चों को सीट अलॉट हुई है।

पोर्टल पर अपलोड करनी होगी उपस्थिति-

आरटीई के तहत प्रवेशित बच्चों की उपस्थिति भी निजी स्कूलों को निर्धारित पोर्टल पर अपडेट करनी होगी। बेसिक शिक्षा विभाग ने आरटीई का एक पोर्टल विकसित किया है। इससे निजी स्कूलों को जोड़ा गया है। उन्हें आईडी-पासवर्ड भी दिया जा रहा है। अब हर दिन बच्चों की उपस्थिति इस पोर्टल पर अपलोड करनी होगी ताकि यह पता चल सके कि आरटीई में प्रवेश लेने वाले बच्चे नियमित स्कूल आ रहे हैं या नहीं।

अधिकारी करेंगे स्कूलों का औचक भ्रमण-

समग्र शिक्षा के उप निदेशक डॉ. मुकेश कुमार सिंह के मुताबिक विभाग अधिकारियों से भी आरटीई वाले स्कूलों का औचक निरीक्षण कराएगा। इसमें यह देखा जाएगा कि आरटीई के तहत प्रवेश लेने वाले बच्चे स्कूल में पढ़ रहे हैं या नहीं। कई बार इस तरह की शिकायत मिलती है कि प्रवेश लेने के बाद बच्चों को हटा दिया जाता है। इस संबंध में जल्द ही विस्तृत निर्देश जारी किए जाएंगे। नए सत्र में आरटीई नंबर, यू-डायस नंबर, अपार आईडी नंबर को सिंक किया जाएगा। इसी से निजी स्कूलों में प्रवेश पाने वाले बच्चों की शुल्क प्रतिपूर्ति की जाएगी।

प्रिंटिंग कारखाने में भीषण आग से अफरातफरी

केमिकल के कारण दूसरी मंजिल तक पहुंची आग, फायर जवानों ने पाया काबू

कानपुर। फजलगंज के गड़रियनपुरवा सरेश बाग में एक प्रिंटिंग कारखाना में भीषण आग लगने से अफरातफरी मच गई। केमिकल होने के कारण आग ने ग्राउंड फ्लोर, प्रथम तल व द्वितीय तल को अपने घेरे में ले लिया जिससे अफरातफरी मची रही। गनीमत ये रही कि कोई हताहत नहीं हुआ। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। शुक्रवार सुबह 10 बजे अरविंद जायसवाल की मोहा ग्राफिक प्रिंटिंग कारखाने में आग लगी। कारखाना में केमिकल होने के कारण आग ने थोड़ी देर में ही विकराल रूप ले लिया। कारखाने में कई केमिकल के ड्रम रखे थे जिन्हें वक्त रहते हटा लिया गया जिससे बड़ी घटना बच गई।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा की अगुवाई में 5 दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। फायर जवानों ने दीवार को तोड़कर पानी की बौछार की। कई घंटे जूझने के बाद आग पर काबू पाया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। बताते चलें कि जिस प्रिंटिंग कारखाना में आग लगी थी, उसी के पास दो वर्ष पूर्व एस के इंडस्ट्रीज में भीषण आग लगी थी जिसमें 4 लोगों की जान चली गई थी।

चमनगंज की घटना से नहीं लिया सबक

चमनगंज में बीते दिनों जूता कारखाना में आग के चलते एक ही परिवार के पांच लोगों की आग से जान चली गई थी लेकिन फायर विभाग ने उससे भी सबक नहीं लिया। फायर विभाग अभी भी ये जानने की कोशिश ही कर रहा है कि शहर में कितने ऐसे रिहाइशी क्षेत्र हैं, जहां खतरनाक केमिकल वाली फैक्ट्रियां, कारखाने चल रहे हैं।

सम्पादकीय

बढ़ते तनाव के बीच राष्ट्रीय संकल्प

भारत ने पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर व पाकिस्तान में सिर्फ आतंकी शिविरों तक सटीक सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया था, जिसको लेकर गुरुवार को विपक्ष ने सरकार के साथ एकता और संकल्प का परिचय दिया। हालांकि, दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय तनाव कायम है। पाकिस्तान ने सभी कायदे कानून ताक पर रखकर नागरिकों व सार्वजनिक स्थलों को निशाना बनाना जारी रखा है। हालांकि, भारत ने मजूबत सुरक्षातंत्र के बूते अपने पंद्रह शहरों पर दागी गई लक्षित मिसाइलों को बेअसर कर दिया है। प्रतिक्रिया स्वरूप भारत ने पाक के कुछ सैन्य ठिकानों व लाहौर की प्रमुख वायु रक्षा प्रणाली को नष्ट कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ने स्थिति की गंभीरता को ही रेखांकित किया। इस स्थिति को बेहद संवेदनशील बताते हुए उन्होंने संस्थागत तालमेल और नागरिक सुरक्षा को प्राथमिकता देने पर बल दिया। दरअसल, इस स्थिति में सरकार की प्राथमिकताओं में नागरिक सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना, गलत सूचनाओं का मुकाबला करना और बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करना और किसी भी हमले का तत्परता से मुकाबला करना शामिल है। निस्संदेह, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल और परिचालन में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिये मंत्रालयों को निर्देश साइबर हमलों और गलत सूचना अभियानों सहित हाइब्रिड खतरों की एक गंभीर समझ को ही दर्शाता है। गुरुवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह द्वारा सर्वदलीय बैठक में विस्तृत जानकारी देना इस दिन का महत्वपूर्ण घटनाक्रम था। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में कम से कम सौ आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि की। विपक्ष खासकर कांग्रेस और एआईएमआईएम ने सराहनीय परिपक्वता दर्शायी। वे तमाम राजनीतिक मतभेदों को भुलाकर राष्ट्रीय हितों के साथ खड़े नजर आए। राजनीतिक सहमति का यह दुर्लभ क्षण घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी को एक सशक्त संदेश देता है। यह भी कि जब भी भारत की संप्रभुता को चुनौती मिलती है इसका राजनीतिक ताना-बाना और मजबूत होता है। जबकि, तनाव की तसवीर अभी डराने वाली हैं। जिसको हल्के में नहीं लिया जा सकता।हालांकि, भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि उसका इरादा तनाव बढ़ाने का नहीं है। लेकिन जवाबी कार्रवाई के लिये पूरी तरह तैयार है। इसलिए रणनीतिक संयम को विश्वसनीय प्रतिरोध के साथ संतुलित किया जाना चाहिए। निस्संदेह,अब सामरिक जीत से हटकर रणनीतिक स्थिरता पर जोर दिया जाना चाहिए। आने वाले दिनों में नागरिक सुरक्षा, कूटनीतिक संदेश और आंतरिक सुरक्षा पर लगातार ध्यान देने की आवश्यकता होगी। भारत को सुरक्षा प्राथमिकताओं से समझौता किए बिना वैश्विक भागीदारों को जानकारी देना जारी रखना चाहिए। साथ ही अपने नागरिकों से पारदर्शिता बनाए रखनी चाहिए। निस्संदेह, ऑपरेशन सिंदूर के जारी रहने के बावजूद, एकीकृत राजनीतिक रुख और संस्थागत सतर्कता बाहरी खतरों के सामने लोकतांत्रिक लचीलेपन का एक आदर्श प्रस्तुत करती है। इसके अतिरिक्त देश के सीमावर्ती इलाकों के ग्रामीण की सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से बौखलाए पाकिस्तान ने हताशा में जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर मौत और विनाश का तांडव मचाया है। पुंछ सेक्टर में भारी गोलाबारी में 13 नागरिकों की जान चली गई। वहीं सीमावर्ती इलाके के गांवों में बड़ी संख्या में घर क्षतिग्रस्त हो गए। पाकिस्तान ने पहलगाम हमले के बाद उस संघर्ष विराम का उल्लंघन कर दिया है जिसे 2021 में नये सिरे से लागू किया गया था। पाकिस्तान सेना ने बेशर्मी से नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया है।निस्संदेह, भारत ने पड़ोसी पाक को बता दिया है कि भारत आतंकवाद के प्रति शून्य साहिष्णुता रखता है, लेकिन साथ ही हमें एलओसी व सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। साथ ही विस्थापित परिवारों की निकासी और अस्थायी पुनर्वास प्रशासन व सुरक्षा बलों की प्राथमिकता होनी चाहिए। पूरे देश को सीमावर्ती ग्रामीणों के साथ एकजुटता से खड़ा होना चाहिए, जो पाक की नापाक हरकतों के कारण पहले से कहीं अधिक असुरक्षित हैं।

चीन से रिश्तों को लेकर सजगता जरूरी

डॉ. जगदीप सिंह

भारत-चीन संबंध सुधारने की दिशा में प्रगति हुई है। देपसांग और डेमचोक से चीन पीछे हटा है व बाकी जगह में सीमित तौर पर। वहीं डब्ल्यूएमसीसी का दावा है कि 2020 में उभरे मुद्दों को सुलझा लिया गया है। बेशक टकराव टला है व तनाव घटा है लेकिन पूर्व की यथास्थिति बहाली बाकी है।

बीती एक अप्रैल को भारत-चीन संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर चीनी राजदूत जू फेइहोंग और भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी द्वारा मिलकर केक काटना 'रिश्ते सामान्य हैं' का आभास पेश करना था। चूंकि चीन की प्रवृत्ति केवल अपना हित साधने की रही है, इसलिए यह उम्मीद न के बराबर थी कि विरासत समझकर कब्जाए देपसांग और डेमचोक को वह पूरी तरह छोड़कर पीछे हटेगा। लेकिन उसने ऐसा किया।

यह प्रसंग चार अन्य टकराव बिंदुओं से सीमित रूप से पीछे हटने के अलावा है। तो 2024 की जुलाई और अक्तूबर माह के बीच देपसांग और देमचोक में उसके पीछे हटने को किसने उत्प्रेरित किया होगा? कहीं इसके पीछे कारण ट्रम्प का जीतना तो नहींज शायद है। जहां एक ओर अमेरिका चीन पर अपना ध्यान केंद्रित करने की खातिर रूस के साथ संबंध बेहतर करना चाहता है, वहीं चीन भी अमेरिका पर फोकस करने को भारत से संबंध सुधारना चाहेगा।3 मार्च को लेक्स फ्रिडमैन के साथ अपने लंबे पॉडकास्ट में, मोदी ने कहा 'हमने कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर राष्ट्रपति शी के साथ मेरी बैठक के बाद सीमा पर स्थिति को सामान्य होने की तरफ लौटते देखा है। हम अब 2020 से पहले जो यथास्थिति सीमा पर थी, उसकी बहाली के लिए काम कर रहे हैं। इसमें समय लगेगा।' कज़ान में किस नए जादुई मंत्र ने नेताओं का मार्गदर्शन टकराव टालने में किया, वह अज्ञात है। संसद में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया था कि संबंधों के अन्य हिस्से का सामान्यीकरण सीमा तनाव के समाधान पर निर्भर करेगा। देमचोक और देपसांग में पीछे हटने का काम पूरा हो चुका है, जबकि पैंगोंग त्सो के उत्तर और दक्षिण के अन्य क्षेत्रों में, पीछे हटना अस्थायी और सीमित प्रकृति (बफर ज़ोन) का रहा। उन्होंने कहा कि अगला कदम तनाव घटाने और फौज तैनाती कम करने का होगा।संबंधों में लगभग सामान्यीकरण हो चुका है यह बताने में जल्दबाजी दिखाकर भारत ने चाहे-अनचाहे चीनी विदेश मंत्री वांग यी की उस सलाह को मान लिया लगता है, जिसमें कहा गया था कि 2005 में बनी सहमति के मुताबिक द्विपक्षीय संबंधों में सीमा विवाद का मुद्दा यथेष्ट मौके के लिए छोड़ा जाए (जिसे भारत तथ्यात्मक रूप से गलत बताता है)। जयशंकर का यह बयान कि सीमा पर स्थिति का सामान्य होना द्विपक्षीय संबंधों की हालत को प्रतिबिंबित करता है, वांग की कही पर मुहर लगाता प्रतीत होता है। इस कूटनीतिक भाषा की बारीकी से इतर, 21 अक्तूबर को बनी सहमति के दो दिन बाद यानी 23 अक्तूबर को सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का यह बयान अधिक वास्तविकता भरा था- 'कुछ हद तक गतिरोध बरकरार है; वांछित अंतिम स्थिति तभी बनेगी, जब अप्रैल 2020 से पूर्व की यथास्थिति बहाल हो जाएगी।' लेकिन विदेश मंत्रालय फिर भी अड़ा रहा कि सेना प्रमुख ने जो कहा और उसके बयानों के बीच कोई विरोधाभास नहीं। जबकि विरोधाभास अनेक हैं जहां 32 दौर के विचार-विमर्शों के बाद डब्ल्यूएमसीसी का यह दावा करना कि 2020 में उभरे तमाम मुद्दों को सुलझा लिया गया है वहीं जयशंकर ने संसद को बताया कि चीन दो जगहों से पूरी तरह पीछे हटा है और बाकी जगह में सीमित तौर पर, इन दोनों बयानों में फर्क साफ है। इसी प्रकार, विशेष प्रतिनिधियों के बीच 23वें दौर की वार्ता फिर शुरू होने के बाद चीन का कहना कि छह-सूत्रीय सहमति बन गई है वहीं भारतीय विदेश मंत्रालय द्वारा घोषित स्थिति के बीच फर्क था। गत 21 अक्तूबर के समझौते के बाद वांग ने कहा कि यह सीमा पर बनी आमने-सामने की स्थिति का पटाक्षेप है और सीमा संबंधी विवाद को द्विपक्षीय संबंधों से अलग रखकर बरता जाना चाहिए। 1996 में चीन के साथ बनी आचार संहिता में एक वार्ताकार रहे अशोक कांठा का कहना है कि 'बफर ज़ोन' नामक नई अवधारणा बीच में घुसेड़ दी है, क्योंकि पहले से लंबित विवाद -बाराहोती 1956 और सुमदोरोंग चू 1997- में 'बफर ज़ोन' जैसी चीज़ जरूरी नहीं मानी गयी थी। ऐसा लगता है भारत भी सीमा को लेकर चीनी शब्दावली बरतने को राजी हो गया। 'एलएसी' के बजाय केवल 'सीमा' कहना और 'पुरानी स्थिति की पुनर्बहाली' की जगह 'तनाव घटाने' और 'सैनिक तैनाती संख्या में कमी लाने' जैसे शब्द बरतने लगा है। जबकि चीनियों ने ये शब्द कभी इस्तेमाल नहीं किए क्योंकि उन्हें ये लागू करने ही नहीं।आमने-सामने के टकराव वाली स्थिति बनने के बाद, गलवान प्रसंग में चीन को क्लीन चिट देने की शुरुआती गलती के उपरांत भी कई मौकों पर अजीब ही स्थिति बनी , जब कहा गया , 'न तो कोई हमारे इलाके में घुसा है।

विरासत में मिले जज्बे को निखारतीं सोफिया

चर्चा में चेहरा

अरुण नैथानी

कर्नल सोफिया कुरैशी, जिनकी पृष्ठभूमि सैन्य परिवार से जुड़ी है। अपनी उपलब्धियों से आज पूरे देश का ध्यान खींच चुकी हैं। उनके सैन्य सेवा में अनेक महत्वपूर्ण योगदान हैं, जिसमें संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में भागीदारी और आपदा राहत में भूमिका भी शामिल है।कभी-कभी नकारात्मक परिदृश्य में ऐसी सकारात्मकता उभर कर आती है कि देश-दुनिया चौंकती है। पहलगाम हमले और उसमें शामिल आतंकियों को सबक सिखाने के लिये किए ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक ऐसा ही नगीना चमका जिसने पूरे देश का ध्यान खींचा। प्रतीकों को बेहतर ढंग से इस्तेमाल करके जनमानस को चौंकाने वाली मोदी सरकार ने इस बार भी ऐसा किया। उसने जहां पहलगाम में मारे गए पर्यटकों की विधवाओं के हक में हमले को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया।

वहीं मीडिया को जानकारी देने के लिये विदेश सचिव के साथ सेना की दो महिला अधिकारियों को जिम्मेदारी दी। ये योग्य व गुणी सैन्य अधिकारी थीं कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह। लेकिन ज्यादा ध्यान खींचा सोफिया ने जिसकी कई पीढ़ियां सेना में देश की सेवा कर राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान देती रही हैं। चौंकाया इस लिए भी क्योंकि मुस्लिम पृष्ठभूमि से कम ही महिलाएं सेना में आती हैं। सोफिया ने विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ हिंदी में हमले का ब्योरा देकर भी लोगों का ध्यान खींचा।दरअसल, सिग्नल कोर की कर्नल सोफिया कुरैशी की पारिवारिक पृष्ठभूमि ने भी उसे सेना में जाने के लिये प्रेरित किया। वे संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में भी काम कर चुकी हैं। सोफिया बताती हैं कि एक फौजी के परिवार में जन्म लेने के कारण सेना को लेकर उसके मन में हमेशा एक खास सम्मोहन था। वह पिता के सेना में होने के कारण सैन्य परिवेश से वाकिफ रही हैं। वह बताती हैं, 'मेरी मां की भी दिली इच्छा थी कि मैं और मेरी जुड़वा बहन सेना में शामिल हों। मेरा संकल्प था

सेना में जाने का, मैंने आवेदन किया और मैं सेना के लिए चुन ली गई।' उल्लेखनीय है कि सोफिया कुरैशी गुजरात की रहने वाली हैं। उनका जन्म वर्ष 1981 में वडोदरा में हुआ। सोफिया के जन्म के कुछ मिनट बाद ही उनकी छोटी बहन सानिया का जन्म हुआ। सानिया वर्ष 2017 में मिस इंडिया अर्थ रह चुकी हैं। सोफिया ने बायोकेमिस्ट्री में अपना पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा किया। फिर वर्ष 1999 में ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी से प्रशिक्षण हासिल किया। जिसके बाद लेफ्टिनेंट के रूप में उन्हें सेना में कमीशन मिला। उस समय उनकी उम्र सत्रह साल थीसोफिया कहती हैं कि मेरे दादा भी सेना में थे। वे कहा करते थे कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह मुश्किल वक्त में देशहित में उठ खड़े हों और राष्ट्र रक्षा को तत्पर रहे। सोफिया के पिता कुछ समय तक सेना में धार्मिक शिक्षक रहे हैं। वे अपनी बेटी की उपलब्धियों पर फूले नहीं समाते हैं। देश के लिये उनके योगदान पर वे गर्व करते हैं। कर्नल सोफिया की मां हलीमा कुरैशी ने घटनाक्रम के बाद कहा कि बेटी ने बहनों और माताओं के सिंदूर का बदला ले लिया है। सोफिया बचपन से सेना में जिम्मेदारी निभाना चाहती थी।वहीं सोफिया के पति भी मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री में सैन्य अधिकारी हैं। सोफिया कहती हैं कि पारिवारिक विरासत व सम्मानजक पेशे के साथ राष्ट्रीय उत्तरदायित्व और बढ़ जाते हैं। सोफिया याद करती हैं कि वह जब सैन्य अकादमी के लिये चुनी गई तो देश विषम चुनौतियों का सामना कर रहा।। यह कारगिल युद्ध ?का समय था।

उल्लेखनीय है कि सोफिया ने वर्ष 2016 में बहुराष्ट्रीय क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास में भारतीय सेना के प्रशिक्षण दल का नेतृत्व भी किया था। प्रशिक्षण अभ्यास पूणे शहर में हुआ था। बताते हैं कि यह भारत में आयोजित सबसे बड़ा ग्राउंड फोर्सेज अभ्यास था, जिसमें आसियान प्लस देश शामिल थे। तब चालीस सैनिकों की टुकड़ी का नेतृत्व कर्नल सोफिया ने किया था। उन्हें इतने बड़े बहुराष्ट्रीय अभ्यास में भारतीय सेना के प्रशिक्षण दल का नेतृत्व करने वाली पहली महिला सैन्य अधिकारी होने का गौरव मिला था।दरअसल, सोफिया के सैन्य कैरियर में कई जगमगाते सितारे जड़े हुए हैं। वर्ष 2001-2002 में ऑपरेशन पराक्रम के दौरान वह पंजाब सीमा पर तैनात थी। उसे उल्लेखनीय सेवा के लिये जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ से प्रशस्ति पत्र मिला। वर्ष 2006 में कांगो में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में सैन्य शिक्षक के तौर पर उन्होंने कार्य किया। वहां छह साल तक काम किया, जहां उनकी भूमिका शांति अभियान में ट्रेनिंग संबंधित योगदान प्रदान करने की थी।

वहीं दूसरी ओर वह सिग्नल रेजिमेंट के आतंकविरोध मिशन में भी शामिल रही हैं। उन्हें सिग्नल रेजिमेंट में रहते हुए सैन्य संवाद में दक्ष माना जाता है।

सोनी सब के शो पुष्पा इम्पॉसिबल में हुई गौरव चोपड़ा की एंट्री

मुंबई। सोनी सब के लोकप्रिय शो पुष्पा इम्पॉसिबल में अभिनेता गौरव चोपड़ा की एंट्री होगी। पुष्पा इम्पॉसिबल में एक नया और दिलचस्प मोड़ आने वाला है। दर्शकों को जल्द ही गौरव चोपड़ा के रूप में एक दमदार एंट्री देखने को मिलेगी। गौरव इस शो में प्रोफेसर राजवीर शास्त्री का किरदार निभाते नजर आएंगे, जो कभी एक प्रतिभाशाली और चर्चित वकील हुआ करते थे, लेकिन अब जीवन से निराश और तल्ख स्वभाव वाले शिक्षक बन चुके हैं। गौरव चोपड़ा ने कहा, जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तो राजवीर की जटिलता ने मुझे बहुत आकर्षित किया। वह एक ऐसा इंसान है जो बेहद प्रतिभाशाली है, लेकिन अंदर से टूटा हुआ भी। वह तेज़ दिमाग वाला है, लेकिन बहुत कड़वा भी और इन सबके बावजूद, पूरी तरह से इंसान है। उसकी यात्रा दर्दनाक जरूर है, लेकिन बहुत सच्ची लगती है। हम सभी के अंदर कुछ ज़ख्म होते हैं, कुछ जो दिखते हैं और कुछ जो छुपे रहते हैं। एक अभिनेता के तौर पर मैं ऐसे किरदारों के लिए जीता हूं जो मुझे चुनौती दें, जहां मुझे भावनाओं की परतें खोलनी पड़ें। गौरव चोपड़ा ने कहा, राजवीर शास्त्री ऐसा ही एक किरदार है और जो बात इस अनुभव को और भी खास बनाती है, वो है करुणा पांडे के साथ काम करना। पुष्पा के किरदार में उनकी सादगी, गहराई और सच्चाई हर सीन को जीवंत बना देती है। मैं शो के निर्माताओं का आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर भरोसा कर इतना दमदार रोल सौंपा। मैं दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए उत्साहित हूं। ये एक भावनात्मक सफर होने वाला है। 'पुष्पा इम्पॉसिबल', हर सोमवार से शनिवार, रात 9 बजे, सिर्फ सोनी सब पर प्रसारित होता है।

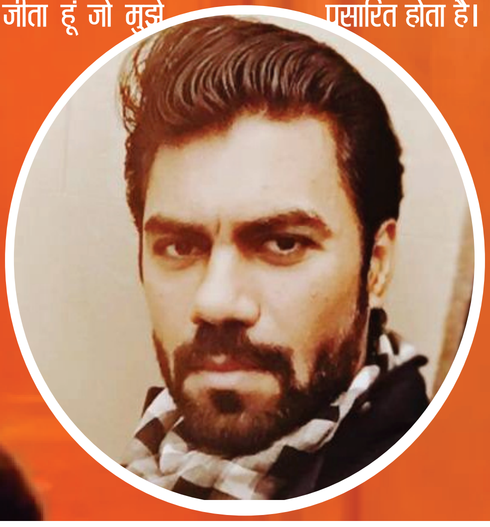

आपरेशन सिंदूर पर फिल्म बनाने की लगी होड़!

मुंबई। भारत द्वारा पाकिस्तान में किए गए सैन्य हमलों के बाद बॉलीवुड में 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़े फिल्म शीर्षक के लिए आवेदन करने की होड़ मच गई है। फिल्म निर्माताओं ने महज दो दिन में 30 से अधिक शीर्षक पंजीकृत कराने के लिए आवेदन दे दिए हैं।

पंजीकरण के लिए दिए गए आवेदनों में 'ऑपरेशन सिंदूर', 'मिशन सिंदूर' और 'सिंदूर ः द रेवेंज' सहित अन्य शीर्षक शामिल हैं। जम्मू कश्मीर में 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध में, भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा मुरीदके शामिल हैं। पहलगाम हमले में 26 लोग मारे गए थे।

'ऑपरेशन सिंदूर' जारी है। इस बीच, भारतीय मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईएमपीपीए), भारतीय फिल्म और टेलीविजन प्रोड्यूसर्स काउंसिल (आईएफटीपीसी) और वेस्टर्न इंडिया फिल्म प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (डब्ल्यूआईएफपीए) को 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़े फिल्म शीर्षक के पंजीकरण के लिए ढेरों आवेदन मिले हैं। आईएमपीपीए के सचिव अनिल नागरथ ने बताया, हमें 30 से ज्यादा शीर्षकों के आवेदन मिले हैं। यह संख्या 50-60 तक पहुंच सकती है। ज्यादातर लोग 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम के लिए आवेदन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक व्यक्ति एक से अधिक शीर्षक के लिए आवेदन कर सकता है, लेकिन जो पहले आवेदन करता है, वही शीर्षक पाता है। प्रोड्यूसर और फिल्म निर्माता इन शीर्षकों को पंजीकृत कराकर इस विषय पर फिल्म बनाने की योजना बना रहे हैं, क्योंकि यह भारत के लिए गर्व का विषय है। नागरथ ने बताया कि अतीत में उन्हें करगिल, उरी, कुंभ और अन्य शीर्षक के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं। फिलहाल जिन शीर्षकों के लिए आवेदन किया जा रहा है उनमें 'ऑपरेशन सिंदूर' मिशन ऑपरेशन सिंदूर और सिंदूर का बदला भी शामिल हैं। पहलगाम के नाम पर पहलगामः द टेरर अटैक, पहलगाम अटैक और अन्य शीर्षकों के लिए भी आवेदन प्राप्त हुए हैं ।

बीएनएसडी शिक्षा निकेतन में मनाई महाराणा प्रताप जयंती

मुख्य अतिथि मनीष राय (प्रान्त संगठन मंत्री अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) ने कहा कि महाराणा प्रताप जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाराणा प्रताप को न केवल राजस्थान में बल्कि पूरे देश में उनके साहस, शौर्य और देशभक्ति के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। बी.एन.एस.डी. शिक्षा निकेतन इण्टर कॉलेज बेनाझाबर, में महाराणा प्रताप जयन्ती उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मनीष राय (प्रान्त संगठन मंत्री अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) ने अपने उद्बोधन में महाराणा प्रताप जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाराणा प्रताप को न केवल राजस्थान में बल्कि पूरे देश में उनके साहस, शौर्य और देशभक्ति के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। मुगलों के विरुद्ध उनका प्रतिरोध प्रत्येक देशवासी को राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा देता है। ऐसे महापुरुष की जयंती उनके आदर्शों, विरासत और भारत की सांस्कृतिक धरोहर में दिये गये अमूल्य योगदान का सम्मान है।मुख्य अतिथि का परिचय एवं स्वागत ज्ञानप्रकाश (प्रभारी प्रबोध निकेतन) ने कराया।

आभार प्रदर्शन भै. प्रखर (सदन अनुशासक) ने किया। इस अवसर पर ब0 ख्याति (कक्षा एकादश) ने आंग्ल भाषा में, भै श्रेयांश (कक्षा एकादश) ने हिन्दी भाषा में अपने विचार व्यक्त किये। भै. सिद्धान्त पाण्डेय (कक्षा अष्टम) ने काव्य पाठ, ब0 अग्रिका ने एकल गीत व छात्र-छात्राओं ने लघुनाटिका प्रस्तुत की।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजमोहन कुमार सिंह, उपप्रधानाचार्या मंजूबाला श्रीवास्तव, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

12 मई सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में रहेगा अवकाश

कानपुर । बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष्य में 12 मई सोमवार को सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इस दिन प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालय, बैंक, बीमा कंपनियां (एलआईसी), शिक्षण संस्थान, कॉलेज और विश्वविद्यालय पूर्ण रूप से बंद रहेंगे।

सरकारी अधिसूचना के अनुसार अवकाश-

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा जारी की गई अवकाश सूची में 12 मई 2025 को स्पष्ट रूप से छुट्टी घोषित की गई है। इसके अनुसार सभी बेसिक स्कूल, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में अवकाश रहेगा।

बैंक और बीमा कार्यालय भी रहेंगे बंद-

बैंक यूनियन और एलआईसी यूनियन की ओर से जारी अवकाश तालिका के मुताबिक 12 मई को सभी बैंक शाखाएं और भारतीय जीवन बीमा निगम के कार्यालय बंद रहेंगे। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे अपने जरूरी बैंकिंग और बीमा संबंधित कार्य 11 मई तक निपटा लें ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो।

बुद्ध पूर्णिमा का महत्व-

बुद्ध पूर्णिमा, बौद्धों का एक प्रमुख उत्सव है जिसे दुनियाभर के बुद्ध अनुयायी खूब धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाते है। यह पर्व हर साल वैशाख माह की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन भगवान बुद्ध का जन्म, उन्हे बुद्धत्व की प्राप्ती तथा उनका महापरिनिर्वाण हुआ था। इस बार यह पवित्र तिथि 12 मई को पड़ रही है जिसे श्रद्धा और भक्ति के साथ पूरे देश में मनाया जाएगा।

बैठक में अफसरों पर फूटा सीडीओ का गुस्सा

» योजनाओं में लापरवाही पर अफसरों को लगाई फटकार

» अधूरे आवास, रिचार्ज सॉफ्ट और वृक्षारोपण पर जताई नाराजगी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 की अध्यक्षता में विकास खंड मलासा की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें आवास, रिचार्ज सॉफ्ट, वृक्षारोपण, ओपन जिम और भूसादान जैसे विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।

बैठक में अधूरे प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री आवासों की धीमी प्रगति पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि सभी आवासों को समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए। रिचार्ज सॉफ्ट योजना के तहत अप्रयुक्त हैंडपंप बोर के माध्यम से जल संरक्षण की योजना को 15 तारीख तक हर हाल में पूर्ण करने के आदेश दिए गए। वृक्षारोपण के लिए चयनित स्थलों पर कार्ययोजना तैयार कर तत्काल क्रियान्वयन शुरू करने को कहा गया।

मलासा की सुस्त प्रगति पर सीडीओ का अल्टीमेटम, भूसा दान पर भी दिए निर्देश-

सीडीओ ने ओपन जिम के निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए 23 तारीख तक उद्घाटन की समयसीमा तय की और जियो टैग फोटो भेजने के निर्देश दिए। विकास खंड मलासा की योजनाओं की अत्यंत धीमी प्रगति पर खंड विकास अधिकारी और सचिवों को कड़ी चेतावनी दी गई कि यदि माह के अंत तक सुधार नहीं हुआ तो कार्रवाई तय है।

इसके अलावा भूसा दान अभियान की समीक्षा करते हुए व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिकतम संग्रह की हिदायत दी गई। अंत में सीडीओ ने अधिकारियों को व्यक्तिगत रुचि लेकर कार्यों को 100% लक्ष्य तक पहुंचाने का निर्देश दिया और किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त कदम उठाने की चेतावनी दी। बैठक में सभी खंड विकास अधिकारी और ग्राम सचिव मौजूद रहे।

शादी की खुशियों के बीच छोटी बहन ने लगाई फांसी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । मंगलपुर थाना क्षेत्र के किशनपुर कुदौली गांव में उस समय मातम छा गया, जब 13 वर्षीय किशोरी नीलम ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घर में बड़ी बहन पूनम की शादी की तैयारियां जोरों पर थीं, लेकिन उसी बीच यह दिल दहला देने वाली घटना हो गई। नीलम कक्षा 6 की छात्रा थी और घर के पुराने हिस्से में उसने साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। पूनम की शादी औरैया निवासी अजय से तय थी और शनिवार को बारात आने वाली थी।

परिवार में खुशी का माहौल पल भर में गहरे शोक में तब्दील हो गया। घटना की जानकारी पर मंगलपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी संजय गुप्ता ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। फिलहाल पुलिस हर पहलू पर गंभीरता से जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही असल वजह सामने आ सकेगी। इस घटना से पूरा गांव गहरे सदमे में है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मलासा ब्लॉक में कारगर साबित हो रहा जल जीवन मिशन

मलासा ब्लॉक में हर घर तक पहुंच रहा नल से जल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । ब्लॉक मलासा में आईएचपी प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा चल रही हर घर नल से जल योजना तेजी से सफलता की ओर बढ़ रही है। इस परियोजना के तहत 26 जगहों पर नल से जल पहुंचाने का काम चल रहा है, जिससे ग्रामीणों को स्वच्छ पानी का निरंतर मिल रहा है। महिलाओं को अब पानी ढोने की चिंता से मुक्ति मिल गई है। जल जीवन मिशन के तहत, मोदी सरकार ने हर घर तक नल से शुद्ध जल पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस अभियान ने जल जीवन मिशन को एक जन आंदोलन बना दिया है, जिसमें ग्राम पंचायतें, स्थानीय समुदाय और महिलाएं सक्रिय रूप से शामिल हो रही हैं।

मलासा में जलापूर्ति का सुधार, शुद्ध जल की सुविधा से महिलाएं खुश

आईएचपी प्राइवेट लिमिटेड के इंजीनियर रामदेव ने बताया कि मलासा ब्लॉक के गांवों में पानी की टंकियों का निर्माण हो चुका है और जल आपूर्ति की लाइनों का कार्य जारी है। गांवों में स्वच्छ जल पहुंचाने के इस प्रयास से महिलाएं खुश हैं, क्योंकि अब उन्हें सिर पर पानी ढोने की जरूरत नहीं। जल निगम के एई संजय सिंह ने बताया कि वे मानकों के अनुरूप कार्य करवाने में सक्रिय हैं और नियमित रूप से गांवों में जाकर मुआयना कर रहे हैं। इस योजना के तहत जल्द ही बाकी बचे गांवों में भी नल से जल पहुंचाया जाएगा, जिससे पूरे ब्लॉक में जल सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सकेगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

लापरवाही

ताले में बंद जनसेवा

शोपीस बनकर रह गया शेरपुर बैरा गांव का सचिवालय

» गांव की जनता परेशान, जवाबदेही शून्य,घेराव की चेतावनी

शिवांक अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

कानपुर। विकासखंड चौबेपुर की ग्राम पंचायत शेरपुर बैरा में सरकारी उदासीनता की पोल खुल गई है। यहां के ग्राम सचिवालय पर ताला लटका मिला, जहां न तो ग्राम प्रधान सुरेश सिंह चंदेल की सक्रियता दिखी और न ही सचिव मुकेश उपाध्याय की उपस्थिति नजर आई। सचिवालय का बंद दरवाज़ा न सिर्फ सरकारी व्यवस्था की लापरवाही का प्रतीक बन गया है, बल्कि ग्रामीणों की उम्मीदों पर भी ताला लग गया है। स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि सचिवालय महीनों से कभी-कभार ही खुलता है, जिससे जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, पेंशन व मनरेगा जैसी योजनाओं से जुड़ी फाइलें धूल फांक रही हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो कोई सुनवाई हुई और न ही कोई कार्रवाई।

हम गरीब लोग रोज काम छोड़कर आते हैं, कभी प्रधान नहीं मिलते, कभी सचिव गायब रहते हैं। आखिर जाएं तो कहां? – एक बुजुर्ग महिला ने आंसू भरी आंखों से सवाल उठाया। सवाल उठता है कि जब केंद्र और राज्य सरकारें गांवों के विकास के लिए करोड़ों की योजनाएं चला रही हैं, तो स्थानीय स्तर पर उनका लाभ क्यों नहीं मिल पा रहा?

जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं और आम जनता बेबस होकर सरकारी दरवाज़ों पर ठोकरें खा रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सचिवालय को नियमित रूप से नहीं खोला गया और जिम्मेदारों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे ब्लॉक मुख्यालय का घेराव करेंगे। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस गूंगी-बहरी व्यवस्था को झकझोरने के लिए क्या कदम उठाता है या फिर एक और फाइल सिर्फ धूल खाती रह जाएगी।

रविंद्र पाल की सरहद वापसी, सम्मान और संकल्प का संगम

कोटा (राजस्थान) में तैनात फौजी रविंद्र सिंह पाल को सरहद पर डटने के लिए विदा किया गया

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। पाकिस्तान के खिलाफ भारत की रणनीतिक कार्रवाई के बीच मूसानगर कस्बे के कोटा (राजस्थान) में तैनात फौजी रविंद्र सिंह पाल को सरहद पर डटने के लिए विदा किया गया। उन्हें समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष वीर सेन यादव ने पटका और माला पहनाकर सम्मानपूर्वक रवाना किया। इस मौके पर वीर सेन यादव ने कहा कि देश के वीर सैनिकों को सम्मान के साथ उनके तैनाती स्थल तक पहुंचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। जिनके बलिदान से हम सुरक्षित हैं, उन्हें सिर आंखों पर रखना चाहिए।

फौजी रविंद्र सिंह पाल मूल रूप से मूसानगर नगर पंचायत के किसान मोहाल के निवासी हैं और सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष सुजीत पाल के भाई हैं। वह एक माह की छुट्टी पर घर आए थे, लेकिन भारत-पाक तनाव के चलते सेना ने सभी सैनिकों की छुट्टियां रद्द कर दी थीं। शुक्रवार को उन्हें पुनः कोटा स्थित तैनाती स्थल के लिए रवाना होना पड़ा। विदाई के अवसर पर वीर सेन यादव ने कहा, आज बेटियां भी पाकिस्तान को उसकी भाषा में जवाब दे रही हैं। भारत का 'मिशन सिंदूर' ऐतिहासिक साबित होगा।

इस अवसर पर सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष ब्रजमोहन सिंह फौजी, कैप्टन रामशंकर प्रजापति, सुजीत पाल, लाखन सिंह, कुलदीप सिंह यादव, छोटे खां दरोगा, निहाल राइन, खुशीराम पाल, रोहित पाल, आशीष सोनकर सहित अनेक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। सबने देश के जवानों की हौसला अफजाई करते हुए भारत की विजय की कामना की।

सरवनखेड़ा में गूंजा प्रताप का जयघोष ,युवाओं ने मनाई वीरता की जयंती

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । सरवनखेड़ा मेला ग्राउंड आज वीरता, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति के नारों से गूंज उठा, जहां वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती का भव्य आयोजन नवयुवकों द्वारा पूरे उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन से हुई। इस दौरान विनय ठाकुर, मोनू ठाकुर, रोहित ठाकुर, शेरा ठाकुर, संदीप ठाकुर, अजय ठाकुर, युवराज ठाकुर, कुलदीप अवस्थी, रवि ठाकुर, आकाश ठाकुर, अर्पित ठाकुर, दिव्यांशु ठाकुर, शौरभ ठाकुर, दुर्गेश ठाकुर, मोहन ठाकुर, शिवम् यादव, प्रियांशु ठाकुर सहित अनेक युवाओं ने हिस्सा लेकर देशभक्ति की मिसाल पेश की।युवाओं ने महाराणा प्रताप के जीवन पर प्रेरणादायी भाषण, काव्य पाठ और एक लघु नाटिका के माध्यम से उनका बलिदान याद किया। रोहित ठाकुर, मोनू ठाकुर और शेरा ठाकुर ने युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। युवराज ठाकुर और रवि ठाकुर ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में नेतृत्व और एकता की भावना को मजबूती देते हैं। यह समारोह सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि महाराणा प्रताप के मूल्यों को नई पीढ़ी में संजोने का एक संकल्प बन गया।

बेसिक शिक्षा में चाहिए परिवर्तन, एकसाथ करना होगा समर्थन

लापरवाही बरतने और गरिमा धूमिल करने वाले शिक्षकों पर हो सख्त कार्यवाही

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर/लखनऊ। बच्चों का भविष्य संवारने के साथ समाज में आदर्श स्थापित करने में शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक स्कूलों के लिए तय शैक्षिक कार्य अवधि में पूरी क्षमता लगाकर बेहतर परिणाम लाने का हर संभव प्रयास करते हैं हालांकि कुछ शिक्षकों के अमर्यादित कृत्य से पूरे विभाग की छवि धूमिल होती है। अपने कर्तव्यों में लापरवाही या पद की गरिमा को दागदार करने वाले शिक्षकों पर कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए वहीं बेहतर शैक्षणिक कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया जाना चाहिए। शिक्षक समाज की नींव गढ़ने वाला अदृश्य शिल्पकार होता है लेकिन आज वह खुद अस्थिरता और अविश्वास के दौर से गुजर रहा है जोकि उच्च आदर्शों की अपेक्षा के बीच अधिकारहीनता की गहराई में डूबता हुआ अपनी कुर्सी और अस्तित्व बचाने की जद्दोजहद में लगा है। समाज, नीतियों और मीडिया के असहयोग ने उसकी आवाज को कमजोर बना दिया है।

खास खबर

ऐसी स्थिति में शिक्षकों की पक्षधरता केवल न्याय की मांग नहीं बल्कि शिक्षा के भविष्य को बचाने का संघर्ष है। शिक्षकों का पक्ष लेने की आवश्यकता है। शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, छात्रों के लिए बेहतर परिणाम प्राप्त करने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए यह महत्वपूर्ण है। शिक्षकों को उचित समर्थन, सम्मान और संसाधन उपलब्ध कराकर हम शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं। जब समाज, मीडिया और जिम्मेदार लोग शिक्षकों के साथ खड़े नहीं होते तो उनकी आवाज दब जाती है। ऐसे में शिक्षकों का पक्ष लेना और उनकी चुनौतियों को सामने लाना आवश्यक हो जाता है। यह पक्षधरता केवल शिक्षकों के लिए नहीं बल्कि समाज के लिए भी जरूरी है। यदि शिक्षक अपने कार्य में सशक्त होंगे तो समाज का भविष्य उज्ज्वल होगा। शिक्षक समाज के आधारस्तंभ होते हैं। शिक्षा, नैतिकता और समाज की प्रगति में उनका योगदान अनमोल है लेकिन क्या यह विडंबना नहीं है कि उसी शिक्षक को आज समाज, नीति और व्यवस्था के त्रिकोण में दोषों का पर्याय बना दिया गया है। शिक्षकों के प्रति पक्षधरता का यह सवाल उठाना सही है और इसकी तह तक जाना अत्यावश्यक है। एक समय था जब शिक्षक को समाज में गुरु का स्थान प्राप्त था उनके लिए आदर्श स्थापित किए जाते थे और राजा से लेकर सामान्य जन तक उनका आदर करते थे लेकिन बदलते समय में वह सम्मान केवल अपेक्षाओं तक सीमित रह गया है। आज का समाज शिक्षकों से आदर्शों की अपेक्षा करता है लेकिन उनके अधिकारों और सुरक्षा की गारंटी नहीं देता। यह कहना गलत नहीं होगा कि आज शिक्षक की प्राथमिकता अपनी नौकरी और कुर्सी बचाने तक सीमित हो गई है। वह आदर्श स्थापित करना चाहता है लेकिन उस पर आरोपों और जिम्मेदारियों का बोझ इतना अधिक है कि वह अपने आदर्शों को निभाने में बाधित हो जाता है। शिक्षक भी समाज का हिस्सा हैं और उनकी भी कमियां हो सकती हैं। यह स्वीकार करना आवश्यक है कि उन्हें भी अपग्रेडेशन और प्रशिक्षण की आवश्यकता है लेकिन क्या यह सही है कि किसी नीति, योजना या व्यवस्था की असफलता का सारा दोष शिक्षकों पर डाल दिया जाए। शिक्षा व्यवस्था में कई मुद्दे हैं जैसे अपर्याप्त संसाधन, अनियमित प्रशिक्षण और ऊपर से लगातार बदलती नीतियां। इन सबका परिणाम यह होता है कि शिक्षक अपने कार्य में पूरी क्षमता से योगदान नहीं कर पाते। समाज और मीडिया अक्सर उनकी आलोचना में आगे रहते हैं लेकिन जब उनके पक्ष में खड़ा होने का समय आता है तो चुप्पी छा जाती है। आज हर किसी को शिक्षकों के साथ खड़े होने की आवश्यकता है। यह केवल उनका समर्थन नहीं बल्कि शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने का प्रयास है। जब तक हम शिक्षकों को उनकी गरिमा और अधिकार नहीं देंगे तब तक शिक्षा नीति में सुधार संभव नहीं। शिक्षक नीति निर्माण के पिरामिड में सबसे नीचे खड़े हैं लेकिन उनकी समस्याओं, अधिकारों और आवश्यकताओं की अनदेखी करना लंबे समय तक समाज के लिए घातक होगा।

समाज, नीति और मीडिया के जिम्मेदार वर्गों को शिक्षकों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना होगा। शिक्षक केवल आलोचना के पात्र नहीं हैं बल्कि वे सुधार, प्रोत्साहन और समर्थन के भी अधिकारी हैं।

रामपुर जिले में मस्जिद के नायब इमाम का शव पेड़ से लटका मिला

» हत्या की आशंका जताई जा रही, शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। रामपुर जिले के भोट थाना क्षेत्र के खौदपुरा गांव के बाग में हैरान करने वाला मामला सामने आया, मस्जिद के नायब इमाम का शव पेड़ से लटका मिला है।

परिजनों ने हत्या की आशंका भी जाहिर की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। मामले परिजनों ने हत्या की तहरीर दी है।

साथ ही भोट थाना क्षेत्र के खौदपुरा गांव में तालकपुर रोड के आम के बाग में पेड़ पर 65 वर्षीय हाफिज अहमद हसन अंसारी का शव लटका मिला है।

शनिवार सुबह करीब 4 बजे वो पास की मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए निकले थे। वो मस्जिद के नायब इमाम भी थे। और वो प्रतिदिन की तरह सुबह में मस्जिद में अजान भी देते थे, लेकिन शनिवार सुबह उन्होंने अजान भी नहीं दी। सुबह 5 बजे किसी ग्रामीण ने उनका शव बाग में लटका हुआ भी देखा। जिसके बाद गांव में हत्या का शोर मच गया।

ग्रामीणों का कहना है कि मस्जिद में माइक और बोर्ड टूटे हुए हैं। और वहीं एक सीसीटीवी फुटेज में उन्हें बाग की और खुद जाते देखा गया है। पुलिस मामले को संदिग्ध मानकर चल रही है।

हालांकि परिजनों ने हत्या मानते हुए ही तहरीर भी दी है। और फिर मामले में एसपी विद्या सागर मिश्र का कहना है कि मामले की हर बिंदु पर जांच भी की जा रही है।

इसके साथ ही शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, पोस्टमार्टम की रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई भी की जाएगी। मृतक बुजुर्ग के 6 बेटे और 3 बेटी हैं।

रामपुर में दर्दनाक हादसा, विदेशी महिला की गई जान

स्वराज इंडिया संवाददाता

रामपुर । नैनीताल हाईवे के बाइपास पर खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली के पीछे से तेज रफ्तार कार जा टकराई। दुर्घटना में दंपति गंभीर रूप से घायल भी हो गया। और उपचार के लिए सीएचसी ले जाते समय तजाकिस्तान की महिला गुलनाजों की मौत हो गई।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया है।इतना ही नहीं पुलिस ने इस मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों को दे दी है।

पुलिस का कहना है कि महिला का पति बोबों उमरजोनी, हाल निवासी बोबों टवर सी-3 फ्लैट एन-211, फ्लोर इरेओ स्क्वॉयों, सेक्टर-60 गुडगांव में रह रहा है। और जो स्पे मेडिकल कंपनी में कार्यरत है और पिछले छह वर्षों से भारत में निवास कर रहा है। उसकी शादी छह माह पूर्व हुई थी और वह पत्नी के साथ नैनीताल घूमने भी जा रहा था।

डीएम ने जेब्रा पार्क का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान पार्क में आवश्यक सुधारों और रखरखाव पर दिया जोर

» नया झंडा लगवाने के दिये निर्देश

» पार्क की स्थिति का जायजा लिया और सुविधाओं की समीक्षा की

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने उपजिलाधिकारी नवाबगंज आनन्द कुमार तिवारी और ईओ नगर पालिका परिषद नवाबगंज संजय शुक्ला के साथ शहर के पल्हरी चौराहा स्थित जेब्रा पार्क का निरीक्षण किया। उन्होंने पार्क में नया झंडा लगवाने के लिये सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके अलावा तालाब के किनारे बनी रोड के नीचे की कई स्थानों पर मिट्टी धस गयी है जिसकी पटाई कराकर रोड को ठीक करवाने के निर्देश ईओ नगर पालिका को प्रदान किए। इसके अलावा उपलब्ध सुविधाओं, जैसे कि खेल के मैदान, पैदल चलने की जगह, और अन्य सुविधाओं की देखा।

जिलाधिकारी ने पार्क में आवश्यक सुधारों और रखरखाव के विषय में निर्देश दिए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पार्क सभी के लिए सुरक्षित और आकर्षक हो।

जिलाधिकारी ने पार्क के रख-रखाव में जनता की सहभागिता पर भी जोर दिया, ताकि पार्क को स्वच्छ और सुंदर रखा जा सके। उन्होंने पार्क की साफ-सफाई कराने के साथ ही बंद पड़े फौव्वारों को ठीक कराकर चालू कराने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए।

धनोखर तालाब में जल निकासी की व्यवस्था के दिये निर्देश

जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ धनोखर तालाब का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नाले के खुले गटर को बंद करने के निर्देश दिए। तालाब में पानी भरने व निकासी के लिये लिए व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बंद पड़े फव्वारे को चालू कराने के निर्देश दिए, जिससे वाटर एरेक्शन होता रहे। ईओ नगर पालिका को तालाब की समुचित साफ-सफाई के निर्देश दिये।

इसके अलावा एसडीएम नवाबगंज को निर्देश देते हुए कहा कि आस-पास चल रहे निर्माण कार्य की जांच करा लें जिससे यह सुनिश्चित हो जाये कि तालाब की भूमि पर किसी प्रकार का कोई अतिक्रमण तो नहीं हो रहा है।

मोहारीपुरवा के सीवर जल सोधन प्लांट का किया निरीक्षण

जिलाधिकारी ने मोहारीपुरवा में एमबीबीआर तकनीक पर बने सीवर जल सोधन प्लांट का निरीक्षण किया। प्लांट क्रियाशील था। सीवर का जल शोधन करके तालाब में जा रहा था। जिलाधिकारी ने प्लांट का बारीकी से निरीक्षण किया।जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इसी तरह सीवर के जल शोधन हेतु 8 अन्य तालाबों का प्रपोजल बनाकर भेजे। इससे गंदे पानी की समस्या से भी निजात मिलेगी और वाटर रिचार्ज भी होता रहेगा। जिलाधिकारी ने परिसर में वृक्षारोपण कराने के भी निर्देश दिये।

प्राइमरी स्कूल के बच्चे वाटरकूलर से पिएंगे पानी

स्वराज इंडिया संवाददाता

निंदूरा(बाराबंकी)। विकास खण्ड निंदूरा अंतर्गत विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था एवं अन्य सभी व्यवस्थाओं से प्रसन्न होकर उप जिलाधिकारी फतेहपुर कार्तिकेय सिंह द्वारा विद्यालय के बच्चों के हित में वाटर कूलर एवं स्टेशनरी प्रदान किया गया।

ज्ञात हो कि पिछले दिनों निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय परवरभारी का औचक निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण में विद्यालय में सुचारू गतिविधियां एवं उच्च शिक्षण व्यवस्था को देखकर प्रसन्न हुए और उनके द्वारा आगामी दिवसों में वाटर कूलर देने का वादा किया गया था।

जिसे हमारे विकास खंड की बेसिक शिक्षा विभाग की खंड शिक्षा अधिकारी निन्दूरा सुषमा सेंगर की उपस्थिति में बच्चों को प्रदान किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यपिक अलका वैस्वार,यूटा अध्यक्ष सुशील सैनी सहित समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

पाकिस्तान से तनाव के बीच सीएम योगी ले रहे पल-पल की अपडेट

» यूपी में अयोध्या राम मंदिर, वाराणसी काशी विश्वनाथ मंदिर के साथ अहम सैन्य ठिकानों और एयरबेस पर सख्त सुरक्षा है

» उत्तराखंड में भी चारधाम यात्रियों से लेकर सेना के ठिकानों तक चौकसी बरकरार है

» यूपी से उत्तराखंड तक नेपाल बॉर्डर पर हाई अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ/देहरादून। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति के मद्देनजर उत्तर प्रदेश से लेकर उत्तराखंड तक अलर्ट है। सीएम योगी आदित्यनाथ और पहाड़ी राज्य के मुखिया पुष्कर सिंह धामी पल पल की सुरक्षा अपडेट ले रहे हैं। नेपाल की लंबी सीमा से लगे हुए दोनों राज्य संवेदनशील जोन में हैं। एक तरफ जहां यूपी में अयोध्या राम मंदिर, वाराणसी काशी विश्वनाथ मंदिर के साथ अहम सैन्य ठिकानों और एयरबेस पर सख्त सुरक्षा है तो वहीं उत्तराखंड में भी चारधाम यात्रियों से लेकर सेना के ठिकानों तक चौकसी बरकरार है।

भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात के मद्देनजर यूपी में ड्रोन उड़ाने पर रोक लगा दी गई है। राजधानी लखनऊ के राजभवन, विधानसभा भवन, लोक भवन, बापू भवन समेत अन्य प्रमुख और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के आसपास ड्रोन पहले से ही प्रतिबंधित है। अब अन्य जनपदों के अधिकारियों ने भी बाकायदा इस पर रोक लगा दी है। गाजियाबाद को नो फ्लाइंग जोन घोषित किया है। प्रयागराज, अयोध्या, झांसी और मिर्जापुर समेत तमाम अन्य जिलों में भी आधिकारिक बयान जारी कर ड्रोन प्रतिबंधित कर दिए गए हैं।

यूपी के सभी जिलों में 24 अप्रैल से प्रभावी धारा-163 (जो पहले धारा 144 थी) के तहत ड्रोन और मानव रहित यंत्रों के संचालन पर सख्ती बरती जा रही है। कोई भी व्यक्ति, संगठन अथवा संस्था सक्षम मजिस्ट्रेट की पूर्व अनुमति के बिना ड्रोन, मानव रहित वाहन अथवा ऐसे अन्य उड़ने वाले उपकरणों का उपयोग नहीं कर सकेगा। ड्रोन के जरिए शूटिंग, सर्वेक्षण अथवा किसी प्रकार के हथियार के संचालन पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, ये प्रतिबंध पुलिस विभाग और अन्य सुरक्षा एजेंसियों पर लागू नहीं होगा।

चारधाम यात्रा में हेलिकॉप्टर सेवाओं पर रोक

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच उत्तराखंड में सुरक्षा कारणों से केदारनाथ धाम के लिए हेलिकॉप्टर सेवाएं अगले आदेश तक स्थगित कर दी गई है।राज्य सरकार ने एहतियाती उपायों के तहत केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के लिए सभी हेली सेवाओं को रोकने का आधिकारिक आदेश जारी किया है।

लखनऊ में पुलिस का चेकिंग अभियान जारी

यूपी में रेड एलर्ट के बीच राजधानी लखनऊ में भी सुरक्षा व्यवस्था बढाई गई। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर महानगर थाना प्रभारी अखिलेश कुमार मिश्रा ने पुलिस बल के साथ मिलकर सघन चेकिंग अभियान चलाया है। इसके तहत रेलवे स्टेशन से लेकर सड़कों तक पुलिस की मुस्तैदी नजर आई।

एसपी बृजेश श्रीवास्तव ने लंबे कार्यकाल में रच दिया पुलिसिंग का स्वर्णिम अध्याय

पदोन्नति के बाद पहली बार एसपी बनकर जिले में कानून-व्यवस्था की कामना संभालने वाले एसपी ने कई उपब्धियों के साथ लंबे कार्यकाल का रिकार्ड बनाया

राहुल अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

कौशाम्बी। कार्यकुशलता और शांत स्वभाव के लिए जाने जाने वाले मृदुभाषी आईपीएस अफसर बृजेश श्रीवास्तव आजाद भारत के ऐसे एसपी है, जिन्होंने कौशांबी में ढाई साल का शानदार कार्यकाल पूरा किया है।पदोन्नति के बाद पहली बार एसपी बनकर जिले में कानून-व्यवस्था की कामना संभालने वाले एसपी ने कई उपब्धियों के साथ लंबे कार्यकाल का रिकार्ड बनाया है।ढाई वर्षो के लंबे कार्यकाल में उन्होंने पुलिसिंग को सिर्फ वर्दी और कानून का विषय नहीं,बल्कि भरोसे,संवाद और संवेदनशील की जीवंत मिसाल बना दिया।इस कार्यकाल में आई तमाम चुनौतियों के साथ अपराध एवं अपराधियों की खिलाफ सबसे अधिक आक्रामक दिखे।कार्यभार संभालने के बाद से ही उन्होंने अपराधियों की संपति का आकलन कराकर उसे प्रथमिकता के साथ कुर्क कराने का कराया।पुलिसिंग में व्यवस्था को और भी बेहतर बनाने के लिए उन्होंने कई महत्वपूर्ण कदम भी उठाये।जनलोकप्रिय एसपी रहे बृजेश श्रीवास्तव के कार्यकाल में उन तक पहुंचने में किसी भी व्यक्ति को कोई परेशानी नहीं होती थी।कार्यालय दिन भर खुला रहता था।किसी भी फरियादी के आते ही वह तुरन्त सुनवाई करते थे और सम्बंधित अधिकारियों को तत्काल निस्तारण कराने का निर्देश देते थे।जब वे कौशाम्बी आए थे,तब इस जिले को एक ऐसे अधिकारी की

दरकार थी जो न केवल अपराध पर नियंत्रण करें,बल्कि आम जन मानस के मन में पुलिस के प्रति विश्वाश भी पुनर्स्थापित करे और एसपी बृजेश श्रीवास्तव ने यह जिम्मेदारी पूरे समर्पण के साथ निभाई।एसपी बृजेश श्रीवास्तव का बतौर एसपी यह पहला जिला था,लेकिन जमीनी स्तर की पुलिसिंग के लिए चर्चित एसपी ने जिस प्रकार जिले की कानून व्यवस्था को थामा,उसने उनके नये पन का एहसास नहीं होने दिया। 5 मई की रात उनके स्थानांतरण का आदेश जारी हो गया और अब यह इटावा जैसे बड़े जनपद में कप्तान की पारी खेलेंगे।जिले में वह 2 साल और 6 माह के कप्तान रहे बृजेश श्रीवास्तव त्योहार हो,अपराध हो या कोई कानून व्यवस्था की गंभीर स्थिति एसपी बृजेश श्रीवास्तव हमेशा मैदान में सबसे आगे खड़े दिखे।अपराधियों के खिलाफ सख्ती या जनसुनवाई में किसी गरीब की फरियाद,उन्होंने हर स्थिति में मानवीयता और प्रशासनिक दक्षता का अद्भुत संतुलन दिखाया।

महिला सुरक्षा से लेकर साइबर क्राइम तक,हर क्षेत्र में दिखा विज़न

कार्यालय में महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मिली।महिला शक्ति हेल्पलाइन और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नारी सशक्तिकरण को नई दिशा दी गई।साइबर अपराध नियंत्रण में भी कौशाम्बी पुलिस ने उनके नेतृत्व में सराहनीय कार्य किया। भय नहीं भरोसा बना पुलिस की पहचान... बृजेश श्रीवास्तव ने एक ओर अपराधियों में भय पैदा किया,तो दूसरी ओर जनता में भरोसा भी। उन्होंने थानों को जनता के लिए सुलभ बनाया और समुदाय आधारित पुलिसिंग को व्यवहार में लाकर समाज से संवाद की नई श्रृंखला स्थापित की।

प्रेरणास्त्रोत बन गए अधीनस्थों के लिए

उन्होंने न सिर्फ अनुशासन और ईमानदारी की मिसाल पेश की, बल्कि अधीनस्थों को यह सिखाया कि पुलिसिंग केवल एक ड्यूटी नहीं,बल्कि समाज सेवा का संस्कार है।उनके नेतृत्व में जवानों में एक नई ऊर्जा और जिम्मेदारी का भाव दिखा।